रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 01 जून, 2026

वर्ष-2 | अंक-128 | कुल पृष्ठः8-Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

कुछ स्वतंत्र विश्लेषणों के अनुसारः

- 5 राज्यों के आंकड़ों के अध्ययन में पिछले 5 वर्षों में लगभग 785 पति अपनी पत्नियों द्वारा हत्या के शिकार पाए गए।
- इसका औसत लगभग 157 मामले प्रति वर्ष बैठता है।
- कुछ शोधों के अनुसार भारत में औसतन हर 32 घंटे में एक पति की हत्या उसकी पत्नी द्वारा किए जाने का मामला सामने आता है।
- अनुमानित रूप से देश में हर वर्ष 270 से 300 के बीच ऐसे मामले सामने आ सकते हैं।

वर्ष 2023 में:

- 1.33 लाख से अधिक "पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता" के मामले दर्ज हुए।
- हजारों महिलाओं ने घरेलू हिंसा और दहेज प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई।
- देश में हर वर्ष हजारों दहेज मृत्यु के मामले भी सामने आते हैं।

हत्या के प्रमुख कारण

विशेषज्ञों के अनुसार अधिकांश मामलों में निम्न कारण पाए गए:

विवाहेतर संबंध
पारिवारिक कलह
संपत्ति विवाद
आर्थिक तनाव
घरेलू हिंसा और प्रतिशोध
नशे की लत एवं मानसिक तनाव

दूसरी तस्वीर भी महत्वपूर्ण

जहां पति की हत्या के मामले चिंता का विषय हैं, वहीं महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की संख्या इससे कहीं अधिक है।

हाल के वर्षों में देशभर में पति-पत्नी के रिश्तों से जुड़े अपराधों ने समाज को झकझोर कर रख दिया है। विशेष रूप से कुछ चर्चित मामलों में पत्नियों द्वारा अपने पतियों की हत्या की घटनाएं चर्चा का विषय बनी हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) पत्नी द्वारा पति की हत्या के मामलों को अलग श्रेणी में प्रकाशित नहीं करता, लेकिन विभिन्न शोधों और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में ऐसे मामलों में वृद्धि देखी गई है।

समाज के लिए संदेश-विशेषज्ञ मानते हैं कि परिवार में संवाद की कमी, बढ़ता तनाव और रिश्तों में विश्वास का अभाव कई बार अपराध की जड़ बनता है। चाहे पीड़ित पति हो या पत्नी, हिंसा किसी समस्या का समाधान नहीं है। रिश्तों को बचाने के लिए समय रहते परामर्श, परिवार का सहयोग और कानूनी सहायता लेना आवश्यक है। क्योंकि एक अपराध केवल एक व्यक्ति का जीवन नहीं छीनता, बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करता है।

निष्कर्ष- भारत में पत्नी द्वारा पति की हत्या के मामले कुल अपराधों की तुलना में कम हैं, लेकिन इनकी संख्या इतनी है कि समाज को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। मजबूत रिश्ते, पारदर्शिता और आपसी सम्मान ही ऐसे अपराधों को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय हैं।

— संपादकीय विभाग, रणजीत टाइम्सः प्रधान संपादक गोपाल गावंडे

"रिश्तों में संवाद रहेगा, तो परिवार सुरक्षित रहेगा।"

इंदौरः मध्य प्रदेश के इंदौर-खंडवा रोड स्थित महू के भेरूघाट इलाके में रविवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया।

यहां नर्मदा-क्षिप्रा लिंक परियोजना की मुख्य पाइपलाइन अचानक तेज धमाके के साथ फट गई। पाइपलाइन फटने से पानी का दबाव इतना भीषण था कि विशाल फव्वारा करीब 150 फीट की ऊंचाई तक पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पानी की ये ऊंची बौछारें पास से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन को छूती हुई दिखाई दे रही थीं, जिससे इलाके में करंट फैलने का खतरा भी बन गया था।

जानकारी अनुसार सुबह करीब 7:30 बजे हुए इस अचानक धमाके और उसके बाद आए पानी के सैलाब से पूरे भेरूघाट क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घरों में नींद में सो रहे लोग दहशत में आ गए। लाइन जहां ब्लॉस्ट हुई थी, वहां करीब 150 फीट ऊपर पानी का फव्वारा निकल रहा था। आसपास पानी का सैलाब बह निकला। जब तक लोग बाहर आकर कुछ समझ पाते, तब तक सड़कों पर घुटनों तक पानी भर चुका था। गर्मी के मौसम में जलापूर्ति बनाए रखने के लिए पाइपलाइन में लगातार उच्च दबाव से पानी छोड़ा जा रहा था।

घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा के लिहाज से इलाके की बिजली सप्लाई को तुरंत कटवाया गया, क्योंकि पानी का फव्वारा सीधे हाईटेंशन लाइन तक पहुंच रहा था। इलाके में करंट फैलने की आशंका भी बन रही थी। करीब एक घंटे तक यहां लाखों गैलन पानी बर्बाद होता रहा। वहीं पानी के पास में बना एक कच्चा मकान चपेट में आकर ढह गया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि पाइपलाइन फटने से निकला पानी तेज बहाव के साथ आसपास के कुछ मकानों तक पहुंच गया। कई घरों में पानी घुसने से टीवी, फ्रिज सहित अन्य घरेलू सामान को नुकसान पहुंचा है। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। लोगों का कहना है कि यदि उस समय सड़क पर ज्यादा यातायात होता या पानी हाईटेंशन तारों के सीधे संपर्क में आ जाता, तो बड़ा हादसा हो सकता था।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजवाड़ा में किया माल्यार्पण

इन्दौर. लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर के ऐतिहासिक राजवाड़ा पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें भारतीय संस्कृति, सुशासन और लोककल्याण की अद्वितीय प्रतीक बताया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर भारतीय इतिहास की ऐसी महान शासिका थीं, जिन्होंने अपने शासनकाल में न्याय, सुशासन, लोकसेवा और जनकल्याण के उच्चतम मानक स्थापित किए। उन्होंने प्रजा के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान और कल्याण के लिए कार्य किया। उनकी प्रशासनिक दक्षता, दूरदर्शिता, करुणा और न्यायप्रियता आज भी शासन-प्रशासन के लिए प्रेरणास्रोत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों और लोक कल्याणकारी दृष्टिकोण को आत्मसात कर मध्यप्रदेश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने केवल मालवा ही नहीं, बल्कि पूरे देश में धर्म, संस्कृति और लोककल्याण के कार्यों को नई दिशा दी। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों, विचारों और जीवन मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा उनकी गौरवशाली विरासत को संरक्षित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

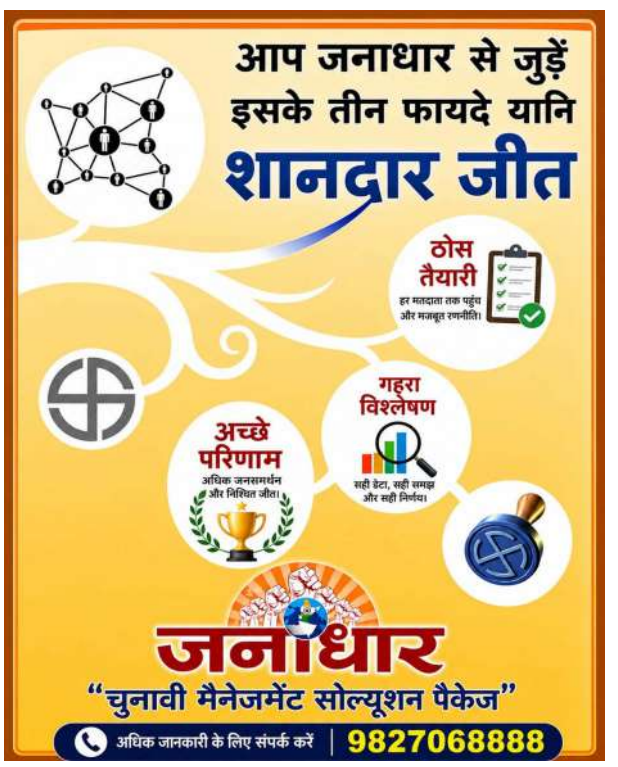

मानसून से पूर्व प्रशासन सतर्कः नदी-नालों की सफाई और जर्जर भवनों पर कार्रवाई के निर्देश, ग्राम पंचायतों में सप्ताह में दो दिन होगी जनसुनवाई

अतुल जैन

एसडीएम ममता शाक्य ने ली समीक्षा बैठक, सभी विभाग प्रमुखों को दिए आपदा प्रबंधन के सख्त निर्देश

पिछोर। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट शिवपुरी अर्पित वर्मा के निर्देशन में आगामी मानसून सत्र 2026 को दृष्टिगत रखते हुए वर्षा एवं बाढ़ आपदा प्रबंधन से निपटने की तैयारियों को लेकर पिछोर अनुविभागीय दंडाधिकारी राजस्व श्रीमती ममता शाक्य द्वारा सोमवार को नवीन तहसील कार्यालय पिछोर में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में पिछोर एवं खनियाधाना अनुविभाग के सभी विभाग प्रमुख उपस्थित रहे।

मंगलवार एवं शुक्रवार को होगी ग्राम स्तरीय जनसुनवाई

एसडीएम श्रीमती ममता शाक्य ने बैठक में जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर महोदय के निर्देशानुसार अब प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को सभी ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर ही त्वरित निराकरण करना है। सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया गया कि वे जनसुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें।

नदी-नालों की सफाई और अतिक्रमण हटाने पर जोर

समीक्षा बैठक में एसडीएम ने मानसून के दौरान बाढ़ जैसी स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए पिछोर एवं खनियाधाना के मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को स्पष्ट निर्देश दिए कि उनके क्षेत्राधिकार में आने वाले सभी नदी, नाले एवं तालाबों की तत्काल साफ-सफाई कराई जाए। उन्होंने कहा कि जल निकासी के रास्तों को अवरुद्ध होने से बचाने के लिए यह कार्य प्राथमिकता पर किया जाए।

जल संसाधन विभाग को विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि नगर एवं क्षेत्र के सभी तालाबों के वेस्ट वियर की सफाई कराई जाए। साथ ही यदि कहीं पर अतिक्रमण किया गया है तो उसे तत्काल हटवाया जाए। एसडीएम ने कहा कि नगर, शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से गुजरने वाले नदी-नालों की सफाई के साथ-साथ जल भराव वाले संवेदनशील स्थानों की पहचान कर आपदा राहत दल का गठन भी किया जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके।

जर्जर स्कूल भवनों से बच्चों को शिफ्ट करने के निर्देश

बैठक में शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए दोनों विकासखंडों के बीआरसीसी को निर्देश दिए गए कि उनके क्षेत्र में जो भी विद्यालय भवन जर्जर स्थिति में हैं, उनमें अध्ययनरत बच्चों को तत्काल अन्य सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि मानसून के दौरान जर्जर भवनों में कक्षाएं संचालित न हों। इसके साथ ही विद्यालय परिसर के आसपास यदि किसी व्यक्ति द्वारा अतिक्रमण किया गया है तो उसकी सूची बनाकर तत्काल प्रस्तुत करें, ताकि प्रशासन द्वारा अतिक्रमण मुक्ति की कार्रवाई की जा सके।

पहुंच विहीन क्षेत्रों में अग्रिम खाद्यान्न भंडारण के निर्देश

एसडीएम श्रीमती शाक्य ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मानसून के दौरान पहुंच विहीन हो जाने वाले ग्रामों एवं मजरा-टोलों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न का अग्रिम भंडारण सुनिश्चित किया जाए। जिससे बारिश के मौसम में राशन वितरण व्यवस्था बाधित न हो और ग्रामीणों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके अतिरिक्त बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग सहित सभी विभागों की मानसून पूर्व तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की गई। एसडीएम ने सभी विभाग प्रमुखों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा किसी भी आपात स्थिति के लिए 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए।

ये रहे उपस्थित

बैठक में जिला अतिरिक्त सीईओ एन.एस. नरवरिया, तहसीलदार शिवशंकर सिंह गुर्जर, नायब तहसीलदार रामनरेश आर्य, सीएमओ पिछोर आनंद शर्मा, सीईओ जनपद खनियाधाना मोगराज मीणा, सीडीपीओ अरविंद तिवारी, बीआरसीसी पिछोर संजय भदोरिया, बीआरसीसी खनियाधाना सुरेश गुप्ता, आशीष परिहार, पीडब्ल्यूडी अधिकारी राजपाल लोधी, सब इंजीनियर संजय गुप्ता, दिनेश पांडे, राकेश प्रजापति सहित अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

नकुल नारायण सेन को केश शिल्पी प्रकोष्ठ महू विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया

महू-इंदौर- जिला कांग्रेस प्रवक्ता जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की सहमति एवं पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव व सिमरोल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक सैनी की अनुसंशा पर प्रदेश अध्यक्ष रामबाबू द्वारा नकुल नारायण सेन को मध्यप्रदेश कांग्रेस केश शिल्पी प्रकोष्ठ का महू विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया। इनकी नियुक्ति पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े, वरिष्ठ कांग्रेस नेता योगेश यादव, कैलाशदत्त पांडे, अशोक सैनी,रामेश्वर पटेल, कन्हैयालाल ठाकुर, जुगनू जादवसिंह धनावत, विष्णु मालवीय, दिनेश सल्वाडिया, भूरु भाई, नारायण पटेल,शैलेश जाट, रामचंद्र ठेकेदार इत्यादि सैकड़ो कांग्रेसजनों ने बधाई दी।

गुलाना में करोड़ों की बिल्डिंगों का लोकार्पण सुजालपुर से, तहसील के गांव सहित सलसलाई की मांगें फिर रह गईं अधूरी

स्थाई तहसील कार्यालय व अस्पताल में डिलीवरी प्वाइंट की बाट जोह रहा नगर

गुलाना/सलसलाई। भाजपा सरकार और क्षेत्रीय विधायक व मंत्री इंदर सिंह परमार द्वारा गुलाना तहसील में कराए गए विकास कार्यों की करोड़ों की बिल्डिंगों का लोकार्पण 31 तारीख को सुजालपुर से होना है। गुलाना की वर्षों पुरानी मांग पूरी हो रही है, लेकिन तहसील के अन्य गांव और कस्बों की मांगे अब भी अधूरी हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर मध्य प्रदेश के मुखिया का कार्यक्रम गुलाना में होता, तो तहसील सहित अन्य क्षेत्रों के विकास कार्यों की झड़ी लग सकती थी।

सलसलाई की दो बड़ी मांगे लंबित सलसलाई नगर के लोग कब से स्थाई तहसील/टप्पा कार्यालय और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डिलीवरी प्वाइंट व डॉक्टरों की व्यवस्था का इंतजार कर रहे हैं।

यहां तहसील/टप्पा कार्यालय अस्थाई रूप से चल रहा था, जो अब बंद हो गया है। कई बार मंत्री जी को ज्ञापन दिए गए। उन्होंने स्थाई कार्यालय का आश्वासन दिया था, जो आज भी केवल आश्वासन बना हुआ है।

इसी तरह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की बिल्डिंग बनाकर कई वर्षों से संचालित है, लेकिन उसमें डिलीवरी प्वाइंट नहीं है और डॉक्टरों की स्थाई व्यवस्था भी नहीं हो पाई है।

2 साल से तैयार बिल्डिंग, अब हो रहा लोकार्पण

गुलाना में कॉलेज, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और मंडी समिति की बिल्डिंग 2 साल पहले ही बनकर तैयार हो गई थी। अब जाकर इनका लोकार्पण किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि तीनों ही बिल्डिंगों में निर्माण कार्य घटिया हुआ है और कई कार्य अधूरे पड़े हैं। ऐसे में इनका लोकार्पण करना चर्चा का विषय बन गया है। नागरिकों ने सवाल उठाया है कि अब भी विकास की राह हम कब तक देखते रहेंगे।

करैरा पुलिस की बड़ी कार्रवाईः अवैध देशी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

शिवपुरी जिला ब्यूरो चीफ हेमंत भार्गव

करैरा. शिवपुरी जिले के करैरा थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक आरोपी को देशी कट्टा और जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी किसी वारदात को अंजाम देने की नीयत से संदिग्ध अवस्था में खड़ा मिला था।

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भुटिया के निर्देशानुसार जिलेभर में अवैध हथियार रखने वालों एवं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं एसडीओपी करैरा डॉ. आयुष जाखड़ के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद सिंह छावई के नेतृत्व में पुलिस टीम सक्रिय रूप से अभियान चला रही है। पुलिस को शुक्रवार को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक नई गल्ला मंडी के पीछे संभूदयाल कॉलोनी के पास अवैध 315 बोर का कट्टा लेकर खड़ा है और किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर

पहुंची। पुलिस को देखकर संदिग्ध युवक भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम संजय जाटव (29 वर्ष) पुत्र मायाराम जाटव निवासी न्यू कॉलोनी, करैरा बताया। तलाशी के दौरान उसकी कमर से एक अवैध 315 बोर का देशी कट्टा तथा पैंट की जेब से एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। आरोपी हथियार एवं कारतूस रखने का कोई वैध लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कट्टा और कारतूस जब्त कर उसके विरुद्ध अपराध क्रमांक 357/26 के तहत धारा 25/27 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर पहले से दर्ज हैं कई मामले पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी संजय जाटव के खिलाफ करैरा थाने में पूर्व से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें मारपीट, धमकी तथा आर्म्स एक्ट से संबंधित प्रकरण शामिल हैं। आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड होने के कारण पुलिस उससे अन्य मामलों में भी पूछताछ कर रही है।

इन पुलिसकर्मियों की रही महत्वपूर्ण भूमिका-कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद सिंह छावई, उप निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान, प्रधान आरक्षक राजेन्द्र यादव, आरक्षक राघवेन्द्र पाल एवं थाना करैरा की पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने टीम की तत्परता और सूझबूझ की प्रशंसा की है।

रणजीत टाइम्स
प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

सहजयोगः आत्मजागरण की ओर यात्रा विचारहीन जागरूकता का दिव्य अनुभव

वर्तमान से भागना मनुष्य का स्वभाव है। वह या तो भविष्य में जीता है या अतीत में, कभी वर्तमान में नहीं। एक विचार उठता है और फिर गिरता है, फिर उठता है और फिर गिरता है। ध्यान केवल इन विचारों की लहरों के चरम बिंदु पर ही टिका रहता है। विचारों के बीच... इन दो विचारों के बीच एक खाली जगह होती है जिसे "विलंब" कहते हैं। यही वर्तमान है। लेकिन किसी का भी मस्तिष्क धोकर, यह कहकर कि "वर्तमान में रहो!"आप ऐसा नहीं कर सकते। इसके लिए कुंडलिनी का जागृत होना आवश्यक है। जब वह जागृत होती है, तब आप विचारहीन जागरूकता में स्थिर हो जाते हैं। लेकिन यह जागरूकता प्रबुद्ध होती है। कुंडलिनी जागरण के माध्यम से हमारें सभी केंद्र प्रबुद्ध होते हैं, और एक नया आयाम खुल जाता है। कुंडलिनी हमारे भीतर पवित्र आत्मा का प्रतिबिंब है। जब कुंडलिनी आज्ञा चक्र के ऊपर उठती है तो आप विचारहीन रूप से जागरूक हो जाते हैं। और जब यह ब्रह्मरंध्र को भेदती है, तो आप सामूहिक चेतना प्राप्त करते हैं, और आपके हाथों से आत्मा के वाइब्रेशन निकलने लगते हैं, जिसे ठंडी हवा के रूप में महसूस किया जा सकता है, बाइबल में भी इसे कूल ब्रीज़ के रूप में वर्णित किया गया है। यही आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति का अनुभव है। जब यह आत्मसाक्षात्कार घटित होता है, तब मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप को जानने लगता है। उसके भीतर शांति, संतुलन और आनंद का सहज प्रवाह प्रारम्भ हो जाता है। जीवन की समस्याएँ उसे विचलित करने के बजाय सीख और विकास का माध्यम प्रतीत होने लगती हैं। इस जागृत अवस्था में व्यक्ति स्वयं के साथ-साथ दूसरों के प्रति भी अधिक संवेदनशील, करुणामय और प्रेमपूर्ण बन जाता है। यही आंतरिक परिवर्तन मानव जीवन के वास्तविक उद्देश्य की ओर ले जाता है। आइए इस अनुभव का आनंद प्राप्त करने के लिए और अपनी आत्मा का योग परमात्मा से घटित करने के लिए चलिये सहज योग से जुड़ते हैं,

सहजयोग पूर्णतः निशुल्क है। सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी प्राप्त करने हेतु टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 पर संपर्क करें।

गोरखनाथ मंदिर में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, भागवत कथा के चौथे दिन उमड़े श्रद्धालु

शिवपुरी से ऋषि गोस्वामी की रिपोर्ट

शिवपुरीः के गोरखनाथ मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा का आज चौथा दिन है। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

सुदर्शन प्रधान ने बताया कि 27 तारीख से शुरू हुई इस भागवत कथा में पवन महाराज के सानिध्य में श्रद्धालु कथा का रसपान कर रहे हैं। ठेईया परिवार द्वारा आयोजित इस कथा में बड़ी संख्या में भक्त शामिल हो रहे हैं। आज के मुख्य आकर्षण के रूप में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। इस दौरान भगवान श्री कृष्ण के जन्म की लीला का सुंदर चित्रण किया गया और वासुदेव जी द्वारा भगवान को पांचों पात्रों में लाकर जन्म लेने का दृश्य जीवंत हो उठा। मंदिर परिसर में भक्तों ने उत्साहपूर्वक श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया और भक्ति भाव में झूम उठे। आयोजकों ने बताया कि कल कथा के अगले क्रम में गोवर्धन पूजा का आयोजन किया जाएगा। सभी भक्तों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारें और गोवर्धन पूजा में सम्मिलित होकर 56 भोग की प्रसादी ग्रहण करें।

पत्नी से प्रताड़ित होकर युवक ने खाया जहर, उपचार के दौरान मौत

इंदौर। खुड़ैल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बिहाड़िया में एक युवक द्वारा कथित पारिवारिक प्रताड़ना से परेशान होकर जहरीला पदार्थ खाने का मामला सामने आया है।

उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ग्राम बिहाड़िया निवासी विजय यादव उर्फ अजय ने 27 मई को सलफास जहर खा लिया था।

परिजनों का आरोप है कि विजय अपनी पत्नी प्रिया यादव निवासी भागीरथपूरा, सास और साली द्वारा लंबे समय से मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था, जिससे परेशान होकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। जहर खाने के बाद गंभीर हालत में विजय को इंदौर के चोइथराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां पिछले चार दिनों से उसका उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान आज उसकी मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि पुलिस ने युवक के बयान दर्ज किए थे, जिनके आधार पर अब मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वहीं मृतक के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल खुड़ैल थाना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बाणगंगा क्षेत्र में कचरा फेंकने पर नगर निगम की चालानी कार्रवाई

इंदौर। स्वच्छता को लेकर नगर निगम लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है।

इसी क्रम में बाणगंगा स्थित लक्ष्मी स्टेशन के खाली मैदान, झोन क्रमांक 01 एवं वार्ड नंबर 10 में दुकानदार द्वारा खुले में कचरा फेंकने का मामला सामने आया। मौके पर बेसिक्स टीम के माध्यम से सफाई मित्रों द्वारा जांच की गई, जिसमें कचरे से संबंधित एविडेंस प्राप्त हुए। इसके बाद मौके पर सीएसआई विवेक यादव को बुलाया गया तथा संबंधित दुकानदार के खिलाफ 5000 रुपए की चालानी कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के दौरान एनजीओ हेड पवन राजपूत, दारोगा मनोज खोडे, सहायक दारोगा राकेश सारवान एवं शुभम यादव उपस्थित रहे। नगर निगम अधिकारियों ने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की है कि शहर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें तथा सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने से बचें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पशुपालन क्षेत्र में डिजिटल क्रांति की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश

भोपाल. प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने तथा पशुपालकों एवं किसानों को आधुनिक तकनीकों के माध्यम से पशुओं के संतुलित आहार प्रबंधन की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में पशुपालन एवं डेयरी विभाग निरंतर नवाचार कर रहा है।

इसी क्रम में विभाग द्वारा "गोरस मोबाइल ऐप" विकसित किया गया है। यह ऐप पशुपालकों को वैज्ञानिक आधार पर पशुओं के आहार प्रबंधन की सटीक जानकारी उपलब्ध कराएगा।

इस ऐप के उपयोग से पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर होगा तथा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी। इससे पशुपालकों की आय में भी बढ़ोतरी होगी। प्रदेश के पशुपालक एवं किसान गूगल प्ले स्टोर से इस ऐप को आसानी से डाउनलोड कर सकते हैं।

ऐप विकसित करने का उद्देश्य

मध्यप्रदेश में दो करोड़ से अधिक गायों और भैंसों का पालन किया जाता है, लेकिन अधिकांश पशुपालक अभी भी पारंपरिक तरीके से पशुओं को आहार देते हैं। वैज्ञानिक पद्धति से संतुलित पोषण न मिलने के कारण पशुओं की उत्पादन क्षमता प्रभावित होती है। इसके परिणामस्वरूप दूध उत्पादन में 20 से 30% तक की कमी आती हैं।

पशुपालकों की इन समस्याओं के समाधान के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा "गोरस मोबाइल ऐप" विकसित किया गया है। पशुपालक जैसे ही अपने पशु से संबंधित जानकारी, जैसे नस्ल, वजन, दुग्ध उत्पादन, दुग्ध उत्पादन का चरण तथा वर्तमान पशु आहार आदि दर्ज करेंगे, ऐप उनके पशु के लिए संतुलित आहार की मात्रा और प्रकार की जानकारी उपलब्ध कराएगा।

इसके साथ ही ऐप यह भी बताएगा कि आहार प्रबंधन में सुधार करने पर एक ब्यांत के दौरान पशुपालक को कितना आर्थिक लाभ हो सकता है। ऐप वर्तमान में दिए जा रहे आहार के कारण होने वाले संभावित नुकसान की जानकारी भी देगा।

विभाग की यह पहल प्रदेश में वैज्ञानिक पशुपालन को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध

पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा विकसित "गोरस" मोबाइल ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। यह ऐप पूरी तरह निःशुल्क है। पशुपालक एवं किसान इसे अपने मोबाइल फोन में डाउनलोड कर विभिन्न प्रकार की उपयोगी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

राजगढ़ सब्जी मंडी में व्यवस्था पर सवालः किसानों को कब मिलेगी पानी, शौचालय की सुविधाएं

दिलीप पाटीदार

राजगढ़। क्षेत्र की प्रमुख सब्जी मंडी में किसानों को आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। मंडी में प्रतिदिन बड़ी संख्या में किसान अपनी उपज लेकर पहुंचते हैं, लेकिन यहां पीने के स्वच्छ पानी और शौचालय जैसी आवश्यक सुविधाओं का अभाव किसानों के लिए गंभीर समस्या बना हुआ है।

किसानों का कहना है कि मंडी में घंटों तक उपज की नीलामी और बिक्री प्रक्रिया के दौरान रुकना पड़ता है, लेकिन बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने से उन्हें भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। किसानों के अनुसार मंडी परिसर में गर्मी के दिनों में पेयजल की व्यवस्था नहीं होने से स्थिति और भी कठिन हो जाती है। कई बार किसान निजी दुकानों पर पानी पीते हैं। वहीं शौचालय की सुविधा नहीं होने के कारण विशेष रूप से महिला किसानों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है। किसानों का कहना है कि सरकार कृषि क्षेत्र के विकास और किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है, लेकिन मंडी जैसी महत्वपूर्ण जगहों पर मूलभूत सुविधाओं की कमी इन प्रयासों पर सवाल खड़े करती है। मंडी में आने वाले किसानों का कहना है कि वे सुबह से लेकर देर शाम तक अपनी उपज के विक्रय की प्रक्रिया में व्यस्त रहते हैं।

ऐसे में पानी, शौचालय और विश्राम स्थल जैसी सुविधाएं उनकी प्राथमिक आवश्यकता हैं। बावजूद इसके वर्षों से इन समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है। किसानों ने बताया कि कई बार संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में अवगत कराया गया, लेकिन स्थिति में कोई विशेष सुधार देखने को नहीं मिला। स्थानीय किसानों का मानना है कि मंडी केवल व्यापार का केंद्र नहीं, बल्कि किसानों के लिए आजीविका का प्रमुख माध्यम है। ऐसे में यहां स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, छायादार स्थान और साफ-सफाई जैसी सुविधाएं होना अनिवार्य है।

सुविधाओं के अभाव में किसानों के साथ-साथ मजदूरों और व्यापारियों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने मंडी समिति से मांग की है कि मंडी परिसर में जल्द से जल्द पेयजल की स्थायी व्यवस्था की जाए तथा महिला और पुरुषों के लिए अलग-अलग शौचालयों का निर्माण कराया जाए। इसके साथ ही मंडी में विश्राम स्थल और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी विकसित की जाएं, ताकि किसानों को सम्मानजनक और सुविधाजनक वातावरण मिल सके। अब देखना यह होगा कि किसानों की इस लंबे समय से चली आ रही समस्या पर प्रशासन कब तक ध्यान देता है और मंडी में बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करता है। फिलहाल राजगढ़ सब्जी मंडी में किसानों की परेशानी लगातार बढ़ रही है और वे समाधान की उम्मीद लगाए हुए हैं।

आबकारी इंदौर की कार्यवाही

आदित्य शर्मा

इंदौर. कलेक्टर महोदय जिला-इंदौर , श्रीमान शिवम वर्मा जी के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी जी के द्वारा दिये निर्देशानुसार तथा कंट्रोलर महोदय श्री देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल के द्वारा दिये गए निर्देश पर वृत्त बम्बई बाजार की प्रभारी अधिकारी उप निरीक्षक मीरा सिंह द्वारा कलेक्टर साहब द्वारा दिये गए तात्कालिक निर्देशानुसार महूनाका (अर्जुनपुरा मल्टी) और लुनियापुरा में कार्यवाही की गई। कुल दो आरोपी पकड़े गए अमित पिता लालाराम साहू एवं हेमू पिता नंदलाल कुल जप्ती 145 पाव देशी मदिरा (26.1 बल्क लीटर) एवं एक बगैर नंबर का दो पहिया वाहन एक्सेस स्कूटर जप्त किया गया मदिरा एवं वाहन का अनुमानित बाजार मूल्य 78500 रुपए आकी गई है।दोनों आरोपी पर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) 'क' का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। आज की कार्यवाही में आरक्षक मोहित रायकवार, मोहित कछवाय, कोमल कनेल और ड्राइवर अमित का सराहनीय योगदान रहा।

जिले में पहली बार पंच धुनी अग्नि तपस्या, 3 जून को पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारा

शिवपुरी जिला ब्यूरो चीफ हेमंत भार्गव

करैरा। शिवपुरी जिले के सिद्ध क्षेत्र करैरा स्थित छितरी मठ में श्रीपंच दशनाम आवाहन अखाड़ा, श्री क्षेत्र काशी के तत्वावधान में श्री महंत रामानुज पुरी महाराज (आवाहन सरकार) द्वारा पहली बार 41 दिवसीय पंच धुनी अग्नि तपस्या का आयोजन किया जा रहा है।

यह कठोर तपस्या 24 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होकर 3 जून 2026 को पूर्ण होगी। महंत रामानुज पुरी महाराज प्रतिदिन पंच धुनी अग्नि के मध्य बैठकर तपस्या कर रहे हैं। महाराज के अनुसार इस तपस्या का उद्देश्य देश में सुख, समृद्धि, यश एवं कीर्ति की वृद्धि, गौमाता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने की कामना तथा साधु-संतों के सम्मान और गौरव की रक्षा के लिए प्रार्थना करना है। आयोजकों ने बताया कि 3 जून 2026 को तपस्या की पूर्णाहुति के अवसर पर विशेष धार्मिक अनुष्ठान एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर क्षेत्र सहित दूर-दूर से श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। सभी श्रद्धालु, दानदाता एवं भक्तजन अपने परिवार सहित कार्यक्रम में उपस्थित होकर दिव्य एवं भव्य स्थल के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त करें। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील की है। स्थानः सिद्ध क्षेत्र करैरा, छितरी मठ पूर्णाहुति एवं विशाल भंडाराः 3 जून 2026 संपर्कः 9981010086

भोपाल में हुआ 'पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली' विषय पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन

भोपाल. 'मेनस्ट्रीमिंग-एलआईएफई: पर्यावरण अनुकूल टिकाऊ शहरी आवासों का निर्माण' विषय पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन भोपाल में आयोजित किया गया।

सोसायटी ऑफ नेचर हीलर्स, कंजर्वेटर्स एंड लोकल टूरिज्म डेवलपमेंट (एसएनएचसी इंडिया) तथा मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड ने दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन संयुक्त रूप से किया। एपको (एनवाइरनमेंटल प्लानिंग एंड को-ऑर्डिनेशन ऑर्गनाइजेशन) में आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के प्रमुख वैज्ञानिक, पर्यावरणविद, शहरी योजनाकार, नीति विशेषज्ञ और जमीनी स्तर पर कार्यरत संगठन शामिल हुए।

सम्मेलन का उद्देश्य तेजी से बढ़ते शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच जैव-विविधता संरक्षण, पर्यावरण-अनुकूल विकास और टिकाऊ शहरी नियोजन को बढ़ावा देना था। विशेषज्ञों ने इस बात पर बल दिया कि शहरों के विकास मॉडल में प्रकृति और स्थानीय पारिस्थितिकी को केंद्र में रखना समय की आवश्यकता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के सीईएमडीई के प्रो. डॉ. फैयाज़ ए. खुसरो ने कहा कि दिल्ली सहित देश के अनेक शहरों में बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरणीय संकट शहरी नियोजन के लिए गंभीर चेतावनी है।

‘रामबाबू मेरा सुख-दुख का साथी था’ - विधायक प्रीतम लोधी का बयान चर्चा में

अहिल्याबाई जयंती समारोह में डकैत के जयकारे, गरमाई राजनीति

मंच से डकैत का महिमामंडन! पिछोर विधायक का बयान

पिछोर। शिवपुरी जिले की पिछोर विधानसभा से भाजपा विधायक प्रीतम सिंह लोधी एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं।

इस बार विवाद की वजह उनके द्वारा कुख्यात मृतक दस्यु सरगना रामबाबू गडरिया की सार्वजनिक मंच से प्रशंसा करना और उसे अपना “सुख-दुख का साथी” तथा “भाई” बताना है। रविवार को पिछोर नगर में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक प्रीतम लोधी ने मंच से संबोधित करते हुए कहा कि उनके और रामबाबू गडरिया के बीच गहरे संबंध रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि दोनों एक-दूसरे के सुख-दुख के साथी थे और उन्होंने कई कठिन परिस्थितियों में उसका साथ दिया।

“डाकू भी इंसान होते हैं” — विधायक का बयान

अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि एक समय उनकी बहन के साथ अत्याचार हुआ था, जिसके विरोध में उन्होंने हजारों लोगों के साथ आंदोलन किया था। उस दौरान उन पर एक डाकू का सहयोगी होने के आरोप लगे थे। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि “क्या डाकू इंसान नहीं होते हैं।” विधायक ने यह भी कहा कि उन्हें रामबाबू गडरिया की जेल से लेकर जंगल तक की यादें आज भी याद हैं और वे स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें उसकी तस्वीर पर माल्यार्पण करने का अवसर मिला।

कुख्यात दस्यु पर थे 111 से अधिक मामले

गौरतलब है कि रामबाबू गडरिया चंबल अंचल का कुख्यात दस्यु सरगना रहा है। उस पर और उसके गिरोह पर हत्या, लूट, अपहरण समेत गंभीर अपराधों के लगभग 111 मामले दर्ज थे। पुलिस ने उस पर 15 लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया था। उसकी पहचान क्षेत्र के सबसे चर्चित दस्युओं में होती रही है।

लोकमाता और रामबाबू गड़रिया की तस्वीर पर माला चढ़ाई

जिंदाबाद के नारे और हथियारों के प्रदर्शन से बढ़ी चर्चा

कार्यक्रम के दौरान विधायक द्वारा रामबाबू गडरिया के समर्थन में नारे लगाए जाने का वीडियो भी चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं कार्यक्रम के दौरान निकाली गई रैली में कुछ लोग हाथों में तलवार और फरसे लहराते हुए भी दिखाई दिए, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज

विधायक के बयान के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में बहस शुरू हो गई है। एक ओर समर्थक इसे सामाजिक संबंधों और व्यक्तिगत भावनाओं से जोड़कर देख रहे हैं, वहीं आलोचक एक कुख्यात अपराधी के सार्वजनिक महिमामंडन पर सवाल उठा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उद्बोधन के साथ जिला प्रशिक्षण वर्ग का समापन

इंदौर/आदित्य शर्मा

इंदौर. भारतीय जनता पार्टी जिला इंदौर ग्रामीण द्वारा आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के जिला प्रशिक्षण वर्ग का समापन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रेरणादायी उद्बोधन के साथ संपन्न हुआ।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रशिक्षण भारतीय जनता पार्टी की कार्यपद्धति का एक महत्वपूर्ण अंग है। प्रशिक्षण ही एक कार्यकर्ता को गढ़ने और उसे संगठन के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करने योग्य बनाता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार किसी पौधे को समय-समय पर खाद और संरक्षण की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार कार्यकर्ताओं को भी नियमित प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है, जिससे उनका मन, विचार और कार्य सदैव सही दिशा में अग्रसर रहता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा और सबसे सफल राजनीतिक संगठन है। इसकी सफलता का प्रमुख कारण संगठन की सुदृढ़ कार्यपद्धति, समय के अनुसार स्वयं को ढालने की क्षमता तथा समाज के बीच निरंतर सक्रिय उपस्थिति है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने संघर्ष के दौर में सड़क से लेकर जनआंदोलनों तक समाज के बीच रहकर कार्य किया और आज सत्ता में रहते हुए भी जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अन्य राजनीतिक दलों से इसलिए अलग है क्योंकि यहां निर्णय सामूहिकता और संगठनात्मक परंपराओं के आधार पर लिए जाते हैं। भाजपा की पहचान उसकी विचारधारा, कार्यपद्धति और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण से है। प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित, समाजहित और अंत्योदय की भावना के साथ कार्य करता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम दिवस में भाजपा के प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह ने कहा था कि भारतीय जनता पार्टी विचार आधारित संगठन है और उसकी विचारधारा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल

उपाध्याय के एकात्म मानववाद ने राष्ट्र को नई दिशा प्रदान की तथा भाजपा आज भी उन्हीं मूल्यों और सिद्धांतों के आधार पर कार्य कर रही है। उन्होंने प्रशिक्षण को संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं के वैचारिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

मध्यप्रदेश शासन के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि विचार, संगठन और सेवा के संकल्प के साथ आयोजित यह प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं को राष्ट्र प्रथम की भावना से प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं में सार्वजनिक जीवन के आचरण, व्यवहार और जनसेवा की भावना मजबूत होती है तथा समाज की चुनौतियों का समाधान करने की क्षमता विकसित होती है।

प्रशिक्षण वर्ग के दौरान संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति, सुशासन, जनसेवा, सामाजिक समरसता, राष्ट्र निर्माण एवं समसामयिक विषयों पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए, जिनमें वरिष्ठ नेताओं एवं संसाधन व्यक्तियों ने मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, सांसद कविता पाटीदार,विधायक डॉ राजेश सोनकर, विधायक उषा ठाकुर, विधायक मधु वर्मा, संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, वरिष्ठ नेता देवरसिंह परिहार, पूर्व विधायक विशाल पटेल, पूर्व विधायक अंतर सिंह दरबार, उमा नारायण पटेल, गोपाल सिंह चौधरी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आलोक दुबे, जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा प्रशिक्षण वर्ग प्रभारी अजय नारुका,पूर्व जिला अध्यक्ष घनश्याम नारोलिया चिंटू वर्मा राम स्वरूप गेहलोत रामविलास पटेल मुकेश जरिया , बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री के उद्बोधन के पश्चात प्रशिक्षण वर्ग का विधिवत समापन किया गया। समापन अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा राष्ट्र निर्माण एवं जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

जनगणना 2027 का प्रथम चरण प्रदेश में सफलतापूर्वक संपन्न

भोपाल, मध्यप्रदेश में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (House Listing Operation-HLO) का फील्ड कार्य 30 मई 2026 को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। राज्यभर में 01 मई 2026 से प्रारंभ हुए इस व्यापक अभियान के दौरान प्रत्येक ग्राम एवं नगरीय क्षेत्र में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर मकानों तथा उनमें निवासरत परिवारों से निर्धारित जानकारी संकलित की गई।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में चमका सम्राट विक्रम विश्वविद्यालय का नाम

शोध पत्र को मिला तृतीय पुरस्कार

उज्जैन। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के लिए गौरव का विषय है कि विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ताओं के शोध पत्र को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

इस उपलब्धि ने विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर तथा आईसीआईटीएस-आईएफ़ 2026 के संयुक्त तत्वावधान में 29 एवं 30 मई 2026 को आयोजित "सतत एवं समावेशी भविष्य हेतु बुद्धिमान प्रौद्योगिकियों पर प्रथम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन" में प्रस्तुत शोध पत्र "द डिजिटल पल्स : रोग पूर्वानुमान एवं निवारक स्वास्थ्य सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का रूपांतरण" को उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

यह शोध कार्य प्रो. डॉ. प्रवीण खिरवाडकर, कैना भोंसले एवं प्रो. धर्मेन्द्र मेहता द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। शोध में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से रोगों की पूर्व पहचान, स्वास्थ्य जोखिमों के पूर्वानुमान तथा निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी एवं सुलभ बनाने की संभावनाओं का वैज्ञानिक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। शोध के निष्कर्ष भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सटीक, प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सम्मेलन के निर्णायकों ने शोध की नवीनता, सामाजिक उपयोगिता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में इसके संभावित योगदान को ध्यान में रखते हुए इसे तृतीय पुरस्कार के लिए चयनित किया। इस उपलब्धि ने न केवल शोधकर्ताओं बल्कि सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय की अनुसंधान परंपरा को भी गौरवान्वित किया है।

इस उपलब्धि पर शिक्षण एवं शोध जगत से जुड़े अनेक शिक्षकों, शोधकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने प्रो. डॉ. प्रवीण खिरवाडकर एवं उनकी टीम को बधाई दी। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज, कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा, कुलानुशासक प्रो. डॉ. शैलेन्द्र कुमार शर्मा, फार्मेसी संकायाध्यक्ष प्रो. डॉ. कमलेश दशोरा, विश्वविद्यालय प्रशासन एवं विभिन्न संकायों के शिक्षकों ने शोधकर्ताओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रकार के नवाचार आधारित अनुसंधान समाज एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे तथा भविष्य में जनकल्याण एवं स्वास्थ्य सेवाओं के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

भोपाल में 'सदानीरा' का भव्य आयोजनः

जल संरक्षण और संस्कृति का अनूठा संगम

सह-संपादकः हैदर अब्बास

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और भारतीय संस्कृति को संजोने के उद्देश्य से एक भव्य कार्यक्रम 'सदानीरा' का आयोजन किया जा रहा है।

यह कार्यक्रम 27 मई से 02 जून 2026 तक भारत भवन, भोपाल में आयोजित है, जिसका आयोजन केंद्रीय भूमि जल बोर्ड, उत्तर मध्य क्षेत्र, भोपाल द्वारा किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में जल संरक्षण की महत्ता पर केंद्रित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल हैं।

इस आयोजन में 29 मई को 'नदी गीत' और 'जल पुराण' के साथ-साथ 'लघुशंका नगर' की नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं, 30 मई को मालवी लोकगायन 'लोकगायन', 'मिराज मेलोडीज़' और 'जल प्रवाह' नामक नृत्य नाटिका ने कला और जल संरक्षण का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया।

इस आयोजन के माध्यम से जनमानस को जल के महत्व और उ सके संरक्षण की आवश्यकता का संदेश दिया जा रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल स्रोतों को 'सदानीरा' बनाए रखा जा सके।

इंदौर के जल संकट पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सख्त, अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

स्वयं समीक्षा बैठक लेकर कहा— नागरिकों को राहत मिले, हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित की जाए

इन्दौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर के संभागायुक्त कार्यालय पहुंचकर शहर में उत्पन्न जल संकट की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की तथा अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि 24×7 जल नियंत्रण कक्ष के माध्यम से प्रतिदिन सुबह एवं शाम जलापूर्ति की समीक्षा की जाए। संकटग्रस्त वार्डों में विशेष जलापूर्ति योजना लागू कर प्रभावित क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर राहत प्रदान की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नल सप्लाई के समय में असमानता एवं विसंगतियों को तत्काल दूर करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी क्षेत्रों में संतुलित जल वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शासकीय महाविद्यालयों, छात्रावासों एवं अन्य आवासीय संस्थानों में जल उपलब्धता की विशेष चिंता करने के निर्देश दिए। साथ ही जल चोरी एवं मोटरों के माध्यम से अवैध रूप से पानी खींचने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई करने को कहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि शहर की बड़ी जल टंकियों का पूर्ण क्षमता से उपयोग सुनिश्चित किया जाए। निजी एवं नगर निगम के टैंकरों की मिनट-टू-मिनट मॉनिटरिंग की जाए तथा पाइपलाइन लीकेज एवं वितरण हानि को तत्काल सुधारकर जल की बर्बादी रोकी जाए। उन्होंने कहा कि भोपाल से वरिष्ठ एसीएस स्तर के अधिकारी पूर्व में भी इंदौर का दौरा कर चुके हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें पुनः भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनप्रतिनिधियों एवं नागरिक समितियों के साथ नियमित संवाद एवं समन्वय बनाए रखने तथा जल संकट की स्थिति से संबंधित निरंतर जानकारी एवं प्रतिवेदन मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।बैठक में इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े और नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने शहर में जल प्रदाय की जानकारी दी।

बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री गोलू शुक्ला, श्री महेन्द्र हार्डिया, श्रीमती मालिनी गौड़, सुश्री उषा ठाकुर, श्री मधु वर्मा, श्री प्रताप करोसिया, श्री सावन सोनकर, श्री श्रवण चावड़ा, श्री गौरव रणदीवे, डॉ. निशांत खरे सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

परिवीक्षाधीन उप जिलाध्यक्षों को पुलिस-प्रशासन समन्वय एवं कानून-व्यवस्था प्रबंधन का मिला व्यवहारिक प्रशिक्षण

मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भोपाल में पांच दिवसीय परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

भोपाल. मध्यप्रदेश में सुशासन, प्रभावी प्रशासनिक समन्वय एवं कानून-व्यवस्था प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भोपाल द्वारा परिवीक्षाधीन उप जिलाध्यक्षों के लिए आयोजित पांच दिवसीय परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

25 मई से 29 मई 2026 तक संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन 25 मई को विशेष पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण श्री रवि कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य नवागत प्रशासनिक अधिकारियों को पुलिस व्यवस्था, कानून-व्यवस्था प्रबंधन तथा विभिन्न संवेदनशील परिस्थितियों में पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त भूमिका से व्यवहारिक रूप से परिचित कराना था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को पुलिस एवं प्रशासन के मध्य समन्वय, पुलिस एक्ट, वी.वी.आई.पी. ड्यूटी एवं कवरेज, निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाएं, सांप्रदायिक तनाव की स्थिति में पुलिस-प्रशासन की भूमिका एवं कार्यवाही सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक एवं परिवीक्षाधीन उप जिलाध्यक्षों के मध्य बलवा ड्रिल की संयुक्त कार्यवाही का व्यावहारिक प्रदर्शन भी आयोजित किया गया, जिसमें कानून एवं व्यवस्था की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने की रणनीतियों का प्रदर्शन किया गया। इस अभ्यास ने प्रतिभागियों को मैदानी परिस्थितियों में पुलिस बल की कार्यप्रणाली, समन्वित कार्रवाई तथा भीड़ नियंत्रण संबंधी व्यवस्थाओं की व्यवहारिक समझ प्रदान की। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसने प्रशिक्षण कार्यक्रम को उत्साहपूर्ण एवं यादगार बनाया।

कार्यक्रम का समापन उपनिदेशक मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी श्री संजय कुमार अग्रवाल की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सहायक निदेशक श्रीमती रश्मि पाण्डेय, श्रीमती यास्मीन जहरा, श्रीमती ज्योति उमठ , उप पुलिस अधीक्षक श्री नीरज नामदेव, श्री अनिल कुमार सिंह , श्री नारायण चौधरी, सूबेदार श्री विजय गौर सहित अकादमी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के माध्यम से परिवीक्षाधीन अधिकारियों को प्रशासनिक एवं कानून-व्यवस्था संबंधी विषयों की व्यवहारिक जानकारी प्रदान कर उनके दायित्वों के प्रभावी निर्वहन हेतु तैयार किया गया। मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी द्वारा आयोजित ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशासनिक एवं पुलिस तंत्र के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ जनहित में प्रभावी एवं उत्तरदायी शासन व्यवस्था सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वैज्ञानिक आधुनिक कृषि का व्यवहारिक अनुभव किसानों को दे : राज्यपाल श्री पटेल

प्रधानमंत्री की 'मन की बात' राज्यपाल ने सुनी किसानों के साथ

केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान का किया अवलोकन

भोपाल. राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि वैज्ञानिक आधुनिक कृषि तकनीक का व्यवहारिक अनुभव किसानों को दें। केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान द्वारा आस-पास के क्षेत्रों के किसानों को केंद्र में आमंत्रित किया जाना चाहिए।

यहाँ किसानों को उनके सामर्थ्य और आवश्यकता के अनुरूप उपयोगी आधुनिक तकनीकों के बारे में बताया जाए। उन्हें कृषि यंत्रों का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाए, ताकि किसान इनका स्वयं उपयोग करने में सक्षम हो सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, हमारे पूरे राष्ट्र की सामूहिक चेतना, शक्ति और संकल्प का प्रतीक है।

राज्यपाल श्री पटेल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'मन की बात' कार्यक्रम के पूर्व किसानों और कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल के साथ किसानों, कृषि वैज्ञानिकों के साथ 'मन की बात' के सामूहिक श्रवण कार्यक्रम का आयोजन रविवार को केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान के सभागार में किया गया था। इस अवसर पर संचालक कृषि कल्याण श्री उमाशंकर भार्गव भी मौजूद थे।

मन की बात राष्ट्र की सामूहिक चेतना

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देश के सुदूर कोनों के गुमनाम नायकों की उपलब्धियों को बताते हैं, जिनके एकल प्रयासों ने समाज में बड़े बदलाव किए हैं। यह कार्यक्रम हमें सिखाता है कि कोई भी काम छोटा नहीं होता, क्योंकि जब पूरा देश एक दिशा में सोचता है और सामूहिक चेतना के साथ काम करता है, तो बड़े से बड़ा बदलाव आसानी से हो जाता है।

केंद्र और राज्य सरकार के लिये हैं किसान कल्याण सर्वोपरि

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कृषि वैज्ञानिकों को बदलते परिवेश में खेती पर होने वाले मौसम के प्रकोप को सहने और फसलों की सुरक्षा करने की क्षमता बढ़ाने में किसानों की सहायता करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित महिला किसानों की उपस्थिति पर हर्ष व्यक्त किया। बताया कि वर्तमान में केंद्र और राज्य, दोनों ही सरकारों के केंद्र में किसान कल्याण सर्वोपरि है। सरकार किसानों के चहुंमुखी विकास और उनकी आय बढ़ाने के लिए हर संभव कदम उठाने को तत्पर रहती है। मोदी जी के नेतृत्व में खेती को लाभकारी बनाने के लिए अनेक कार्य किए गए हैं, नई योजनाएं बनी हैं। उन्नत कृषि के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश में 3 करोड़ 'ड्रोन दीदी' बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि में महिलाओं की भागीदारी को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा कृषि कल्याण वर्ष के माध्यम से आधुनिक खेती के विकास के द्वारा किसानों की आमदनी को बढ़ाने प्रयासों की सराहना की।

गुजरात के कृषि मेलों की पहल का किया स्मरण

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने अपने गृह राज्य गुजरात का संस्मरण साझा करते हुए बताया कि वे गुजरात के नवसारी के रहने वाले हैं, जहाँ एक प्रतिष्ठित कृषि विश्वविद्यालय स्थित है। उन्होंने याद दिलाया कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2007 में ऐतिहासिक 'कृषि मेलों' की शुरुआत कराई थी। इस अभिनव पहल के तहत उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों को 'लैब से फील्ड' भेजने की शुरुआत की, ताकि वैज्ञानिक सीधे किसानों से जुड़ सकें। राज्यपाल ने बताया कि इन कृषि मेलों के माध्यम से ही गुजरात में रासायनिक उर्वरकों के विकल्प के रूप में वर्मी कंपोस्ट केंचुआ खाद के उपयोग को बड़े पैमाने पर बढ़ावा मिला, जिससे जैविक खेती की नींव मजबूत हुई। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत के महान कृषि वैज्ञानिक, स्वर्गीय डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन जी ने स्वयं गुजरात में एक माह तक प्रवास कर इन कृषि मेलों के सकारात्मक प्रभावों और उनके दूरगामी परिणामों का अध्ययन किया था।

अनुसंधान केन्द्र का किया अवलोकन

राज्यपाल श्री पटेल ने कार्यक्रम के पूर्व केंद्र में विकसित किए गए आधुनिक उपकरण आधुनिक कृषि उपकरणों और तकनीक का अवलोकन किया। कृषि वैज्ञानिकों का उत्साह वर्धन किया और कहा कि कृषक उपयोगी यंत्रों और तकनीक के विकास को देखकर उन्हें प्रसन्नता हुई है।

केंद्र के निदेशक श्री सी.आर. मेहता ने स्वागत उद्बोधन में संस्थान की उपलब्धियां और नवाचार की जानकारी दी। आभार प्रदर्शन केंद्र के परियोजना समन्वयक श्री के.एन. अग्रवाल ने किया। मन की बात के सामूहिक श्रवण कार्यक्रम के प्रारंभ में दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आई.सी.ए.आर. गान का प्रस्तुत किया गया। अनुसूचित जाति उप योजना के तहत किसानों को उन्नत कृषि किट प्रदान किए गए।

सुशासन की दिशा में वरदान साबित हो रहा विज्ञान - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'डिस्ट्रिक्ट ड्रोन यूनिट' के तहत 18 अत्याधुनिक हाईटेक ड्रोन्स किए लोकार्पित, 10 पुलिस वाहनों को दिखाई हरी झंडी

'इंदौर ट्रैफिक साथी' मोबाईल एप का किया शुभारंभ

भोपाल. मध्यप्रदेश में तकनीक आधारित सुशासन की पहल के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को इंदौर में 'डिस्ट्रिक्ट ड्रोन यूनिट' का लोकार्पण तथा 'इंदौर ट्रैफिक साथी' मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने 18 अत्याधुनिक हाईटेक ड्रोन्स का और 10 पुलिस वाहनों का लोकार्पण कर इन्हें इंदौर पुलिस के बेड़े में शामिल कराया। यह ड्रोन्स पुलिस की तीसरी आंख के रूप में हर वक्त कानून-व्यवस्था बनाए रखने, यातायात प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था को और भी अधिक प्रभावी बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों की मांग पर इंदौर शहर में तीन नए पुलिस थाने खोलने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि पुलिस बल की कमी की पूर्ति भी क्रमबद्ध रूप से की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम हर साल पुलिस विभाग के 22 हजार 500 पदों पर भर्ती कर रहे हैं। लगभग सभी पदों पर भर्ती जारी है। हम प्रदेश के हर जिले में पुलिस बैंड की स्थापना भी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सरकार हमेशा पुलिस विभाग के साथ है। परन्तु नागरिकों को बेवजह परेशानी या अपने पदीय कर्तव्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक लोगों के हित में है, तो एक चुनौती भी है, इसलिए इसका बेहतर उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ड्रोन पुलिस का कान्सेप्ट इंदौर से ही आया है। अब यह एक मिसाल बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर की ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक विकास के समन्वय को रेखांकित करते हुए कहा कि हमारी सरकार 'विरासत से विकास' के मार्ग पर चल रही है। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने जिस इंदौर को सेवा, सुशासन और जनकल्याण के जीवन मूल्यों से जोड़ा था, अपनी श्रम साधना से सींचा था, आज वही शहर नवाचार और तकनीकी प्रगति के क्षेत्र में देश के लिए उदाहरण बन रहा है।

उन्होंने कहा कि विज्ञान वास्तव में सुशासन की दिशा में 'लोक कल्याणकारी राज्य' के लिए एक वरदान साबित हो रहा है। मध्यप्रदेश सरकार तकनीक से लोगों की तकदीर बदलने, उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और लोकसेवा का नया अध्याय लिखने के लिए प्रतिबद्ध है। आधुनिक तकनीकों का उपयोग प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के साथ नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'डिस्ट्रिक्ट ड्रोन यूनिट' और 'इंदौर ट्रैफिक साथी' जैसे नवाचार पुलिस और प्रशासन दोनों को नई ताकत प्रदान करेंगे। आज इंदौर में हुआ यह नवाचार पुलिस और प्रशासन दोनों को बेहतर काम करने की नई ऊर्जा देगा तथा नागरिक सुविधाओं को और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल स्मार्ट और सुरक्षित इंदौर की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है, जो तकनीक और सुशासन के बेहतर समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बनेगी। आज लोकार्पित ड्रोन्स कानून व्यवस्था की स्थापना में पुलिस के लिए सहायक होंगे, वहीं ट्रेफिक साथी ऐप वाहन चालकों के लिए बेहद कारगर साबित होगा। इस ऐप के जरिए वाहन चालक पार्किंग की बेहतर लोकेशन जान सकेंगे।

पुलिस कमिश्नर इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह ने कहा कि इंदौर पुलिस के बेड़े में 18 ड्रोन्स शामिल किए जा रहे हैं। अब इंदौर पुलिस भीड़ के समुचितप्रबंधन में इन अत्याधुनिक ड्रोन्स के बेहतर उपयोग करने के लिये तैयार हो गई है। इन ड्रोन्स से 2 किलोमीटर का दायरा कवर होगा। उन्होंने कहा कि अब हम न सिर्फ ट्रैफिक बल्कि अपराधों पर भी नजर रख सकेंगे। इसका प्रयोग इंदौर में रंगपंचमी पर निकली गैर और बसंत पंचमी पर भोजशाला में कानून व्यवस्था के लिए किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इंदौर पुलिस ने 4 हजार 370 लोगों को निःशुल्क हेलमेट बांटे हैं।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, पूर्व मंत्री एवं विधायिका सुश्री उषा ठाकुर, पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री महेन्द्र हार्डिया, विधायक श्री रमेश मेंदोला, विधायिका श्री मालिनी गौड़, विधायक श्री मधु वर्मा, विधायक श्री मनोज पटेल, विधायक श्री राकेश शुक्ला सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

मंदसौर पुलिस की कार्रवाई: 20 किलो ब्राउन शुगर के साथ 5 अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

मंदसौर। पुलिस मुख्यालय द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मंदसौर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन में नई आबादी थाना पुलिस ने अंतर्राज्यीय ड्रग्स तस्कर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के कब्जे से 20 किलोग्राम ब्राउन शुगर (स्मैक) बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेरसिंह बघेल एवं सीएसपी जितेंद्र सिंह भास्कर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नई आबादी उप निरीक्षक कुलदीप सिंह राठौर के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

31 मई 2026 को नई आबादी पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक अंतर्राज्यीय गिरोह मंदसौर के रास्ते बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ की खेप ले जाने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक ने विशेष टीम गठित कर कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस टीम ने रणनीतिक घेराबंदी कर संदिग्ध वाहनों को रोका। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 20 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर बरामद की गई। इस

मामले में थाना नई आबादी में अपराध क्रमांक 89/26 के तहत धारा 8, 21 और 29 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है।

पुलिस ने तस्करी और पायलटिंग में इस्तेमाल की जा रही एक सुजुकी एस-क्रॉस और एक हुंडई क्रेटा कार जब्त की है, जिनकी कुल कीमत लगभग 33 लाख रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा आरोपियों से सात मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत करीब 2.5 लाख रुपये है। मोबाइल फोन का साइबर सेल द्वारा तकनीकी विश्लेषण किया जा रहा है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी अंतर्राज्यीय स्तर पर सक्रिय होकर मादक पदार्थों की तस्करी कर रहे थे। गिरोह के अन्य सदस्यों, सप्लायर नेटवर्क और वित्तीय लेनदेन की विस्तृत जांच जारी है।

गिरफ्तार आरोपी

हेमंत पिता पूनमचंद वर्मा (50), निवासी सृष्टि परिसर, भंवरकुआं रोड, इंदौर

मोना पति स्व. रमेश सेन (48), निवासी नंदा नगर, पाटनीपुरा, इंदौर

राहुल पिता लक्ष्मणलाल मीणा (36), निवासी मालीखेड़ा, प्रतापगढ़, राजस्थान

सुभाष उर्फ पिंटू पिता भंवरलाल नाहर (46), निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, प्रतापगढ़, राजस्थान

जितेंद्र उर्फ कारू पिता मांगीलाल मीणा (35), निवासी मालीखेड़ा, प्रतापगढ़, राजस्थान

फरार आरोपी

अजीज उर्फ एजाज, निवासी प्रतापगढ़ (राजस्थान), जिसकी तलाश जारी है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी कुलदीप सिंह राठौर, उप निरीक्षक विनय बुंदेला, प्रधान आरक्षक आशीष बैरागी, आरक्षक मनीष बघेल, आरक्षक मुजफ्फरुद्दीन, साइबर सेल मंदसौर एवं नई आबादी पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक ने पूरी टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

जनहित हमारी सरकार के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए कीर्तिमान गढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के 12 वर्षों के स्वर्णिम कार्यकाल के लिए उनका अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्ग दर्शन में मध्यप्रदेश भी निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। मध्यप्रदेश के गठन के बाद यहां सिर्फ 5 मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन हमारी सरकार ने जनहित को सर्वोपरि रखा और पिछले दो साल में ही प्रदेश को 7 नए मेडिकल कॉलेजों की सौगात मिल चुकी है। मध्यप्रदेश में शाजापुर जिले की अपनी एक अलग पहचान रही है। शुजालपुर के सुंदरसी का संबंध पुराने समय में सम्राट विक्रमादित्य से जुड़ता है। शुजालपुर शाजापुर जिले की सबसे सक्षम और संपन्न तहसील है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, शुजालपुर में आयोजित कॉलेज चलो अभियान और प्रदेश के महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया के शुभारंभ के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय तथा आयुष चिकित्सालय का किया भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 388 करोड़ रुपये की लागत से 43 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इसके साथ ही 70 करोड़ रुपये की लागत से आयुर्वेदिक महाविद्यालय, चिकित्सालय और 14 करोड़ 37 लाख की लागत से 50 बिस्तरीय आयुष चिकित्सालय का भूमि-पूजन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 4 सांदीपनि विद्यालयों का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 122 करोड़ रुपये की लागत से माँ शारदा सांदीपनि विद्यालय, महाराणा प्रताप सांदीपनि विद्यालय, मिहिर भोज सांदीपनि विद्यालय और राजा भोज सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में 14 करोड़ 58 लाख रुपये की लागत से 4 नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का लोकार्पण संपन्न हुआ।

प्रदेश में गेहूं खरीद का नया कीर्तिमान स्थापित हुआ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शुरू से ही मध्यप्रदेश संभावनाओं का प्रदेश था, लेकिन प्रदेश में 2002-03 तक केवल साढ़े 7 लाख हेक्टेयर भूमि ही सिंचित थी। गांवों में किसानों को बिजली नहीं मिलती थी, पानी-बिजली-सड़क, हर व्यवस्था में गढ्ढे थे। हमारी सरकार ने सिंचाई का रकबा बढ़ाया है और किसानों को उनकी उपज का बेहतर दाम भी दिलवाया है। इसी वर्ष किसानों से 2625 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीदा गया। प्रदेश में गेहूं खरीद का नया कीर्तिमान स्थापित हुआ है। हम किसान कल्याण वर्ष की घोषणाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा की अलख जगाने वाले 31 शिक्षकों का हुआ सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उज्जैन संभाग के शिक्षकों का किया अभिनंदन

इन्दौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को इंदौर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उज्जैन संभाग के समर्पित 31 शिक्षकों का सम्मान किया।

यह सम्मान समारोह मध्य प्रदेश कुश्ती संघ द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें उन शिक्षकों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया जिन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने उन शिक्षकों की सराहना की जो दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में पदस्थ रहते हुए नदी-नाले पार कर, लंबी दूरी पैदल तय कर तथा विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए बच्चों तक शिक्षा पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे शिक्षक न केवल विद्यार्थियों का भविष्य संवार रहे हैं, बल्कि समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कार्यक्रम में उन शिक्षकों के समर्पण, सेवा भावना और कर्तव्यनिष्ठा को रेखांकित किया गया, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा की लौ को निरंतर प्रज्ज्वलित रखा। उपस्थित जनों ने ऐसे शिक्षकों के कार्यों को प्रेरणादायी बताते हुए उनके योगदान की सराहना की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एलयूएन-22 सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं जी-1, कॉस्मिक रिजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाड़िया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित।
प्रधान संपादक-गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)।